भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या-2230
दिनांक 31.07.2018 को उत्तर दिए जाने के लिए
.....
पीसीपीआईआर परियोजना

2230. श्री अनुराग सिंह ठाकुर:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रसायन और उर्वरक विभाग द्वारा शुरू की गई "पेट्रोलियम केमिकल और पेट्रोकेमिकल निवेश क्षेत्र" (पीसीपीआईआर) परियोजना के अंतर्गत अनुमानित भूमि क्षेत्र कितना है;
(ख) इस परियोजना के कार्यान्वयन में केंद्र और राज्य सरकारों की क्या भूमिका हैं;
(ग) निवेश और नियोजन के संदर्भ में इस परियोजना से क्या लाभ मिलने की संभावना हैं; और
(घ) इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है और इसमें कितनी प्रगति हुई है?

<u>उत्तर</u>

योजना मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री
(श्री राव इंद्रजीत सिंह)

(क): "पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्र" (पीसीपीआईआर) पर नीति संकल्प के अनुसार, पीसीपीआईआर विशिष्ट रूप से निरूपित निवेश क्षेत्र है जिसका क्षेत्रफल करीब 250 वर्ग किलोमीटर है। चारों पीसीपीआईआर अर्थात् दाहेज (गुजरात), विशाखापट्टनम-काकीनाडा (आंध्र प्रदेश), पारादीप (ओडिशा) और कुड्डालोर एवं नागापट्टनम (तमिलनाडु) के संबंध में वास्तविक अधिसूचित क्षेत्र निम्नानुसार है:

पीसीपीआईआर	**कुल क्षेत्र (वर्ग किलोमीटर)**
दाहेज, गुजरात	453.00
विशाखापट्टनम काकीनाडा-, आंध्र प्रदेश	640.00
पारादीप, ओडिशा	284.15
कुड्डालोर एवं नागापट्टनम, तमिलनाडु	256.83

(ख): केंद्र सरकार की भूमिका में पीसीपीआईआर की स्थापना के लिए अनुमोदन प्रदान करना, पीसीपीआईआर को बाहरी भौतिक अवसंरचना लिंकेज की उपलब्धता सुनिश्चित करना और पीसीपीआईआर में घरेलू और वैश्विक निवेश को बढ़ाने के लिए संबंधित राज्य सरकारों की सहायता करना शामिल हैं। राज्य सरकार को पीसीपीआईआर की स्थापना में मुख्य भूमिका निभानी है। इसमें प्रस्ताव तैयार करना और पीसीपीआईआर की स्थापना के लिए अनुमोदन प्राप्त करना, पीसीपीआईआर के विकास और प्रबंधन के लिए आवश्यक अवसंरचना जैसे कि बिजली, संपर्क, जल आवश्यकता, सड़क द्वारा आवागमन, सीवरेज एवं सीवरेज शोधन लिंकेज उपलब्ध कराना और प्रबंधन बोर्ड का गठन शामिल हैं।

(ग): विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) के अनुसार, पीसीपीआईआर के पूर्णरूप से परिचालन का प्रस्तावित निवेश 7.63 लाख करोड़ रुपए है और करीब 33.96 लाख लोगों के लिए (प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष) रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

(घ): की गई प्रगति और कार्यान्वयन की स्थिति निम्नानुसार है:

1. <u>दाहेज पीसीपआईआर:</u> दाहेज पीसीपीआईआर के लिए विकास योजना मंजूर की गई और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा इसे 14.09.2017 को पर्यावरण और तटीय क्षेत्र अंचल निकासी प्रदान की गई। वास्तविक निवेश (किया गया/प्रतिबद्ध) 85,928 करोड़ रुपए है और 1.32 लाख लोगों के लिए वास्तविक रोजगार सृजित हुआ। एंकर टेनेंट प्रोजेक्ट अर्थात् ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपीएएल) का क्रैकर मार्च, 2017 में शुरू हुआ है।

2. <u>आंध्र प्रदेश पीसीपीआईआर:</u> ड्राफ्ट मास्टर प्लान तैयार करके प्रकाशित किया गया और ड्राफ्ट पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन पूर्ण हुआ है। आंध्र प्रदेश पीसीपीआईआर में वास्तविक निवेश (किया गया/प्रतिबद्ध) 43,744 करोड़ रुपए है और 1.11 लाख लोगों के लिए वास्तविक रोजगार सृजित हुआ।

3. <u>पारादीप पीसीपीआईआर:</u> पारादीप पीसीपीआईआर का ड्राफ्ट मास्टर प्लान तैयार किया गया और पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) शुरू किया गया। पारादीप पीसीपीआईआर में वास्तविक निवेश (किया गया/प्रतिबद्ध) 45,000 करोड़ रुपए है और 38,000 लोगों के लिए वास्तविक रोजगार सृजित हुआ। एंकर टेनेंट प्रोजेक्ट अर्थात् इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की रिफाइनरी फरवरी, 2016 में शुरू हुई है।

4. <u>तमिलनाडु पीसीपीआईआर:</u> जिला स्तरीय अधिसूचना प्रक्रिया पूर्ण होने पर, 20.06.2017 को तमिलनाडु सरकार द्वारा टाउन एंड कंट्री प्लानिंग एक्ट, 1971 के तहत कुड्डालोर और नागापट्टनम जिलों में निरूपित पीसीपीआईआर क्षेत्र को लोकल प्लानिंग एरिया के रूप में अधिसूचित करते हुए तमिलनाडु पीसीपीआईआर की अंतिम अधिसूचना जारी की गई। तमिलनाडु पीसीपीआईआर में वास्तविक निवेश (किया गया/प्रतिबद्ध) 8100 करोड़ रुपए है और 13,950 लोगों के लिए वास्तविक रोजगार सृजित हुआ।